Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
October to December 2025, E-Journal, Vol. I, Issue LII (52), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

सतत् पर्यटन प्रशासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका

डॉ. गणेश कुमार दुबे*

* सहायक प्राध्यापक, माता गुजरी महिला महाविद्यालय, जबलपुर(म.प्र.) भारत

प्रस्तावना–वर्तमान समय में सतत पर्यटन एंव प्रशासन में बिना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पर्यटन उद्रयोग नहीं चल सकता है क्योकि आज जहॉ पर भी प्रशासन की बात आती है उस स्थान पर प्रौद्योगिकी अपना एक अलग महत्व रखती है । क्योकि आज प्रौद्योगिकी के साथ किसी भी विषय पर आप उसका भौतिक सत्यापन करके बहुत कुशल प्रशासन को चला सकते है । प्रस्तुत अध्ययन पर्यटन के दृष्टिकोण से प्रशासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग और अनुप्रयोग के सैद्धांतिक एंव व्यवहारिक दृष्टिकोण पर विचार करता है। क्योकि स्थायी पर्यटन को भविष्य में आगे बढाने के लिए प्रौद्योगिकी के एकीकरण से प्रशासनिक बढलाब बहुत ही आसानी एंव सुगमता पूर्वक कर सकते है । प्रौद्योगिकी के रचनात्मक और विनाशकारी परिणाम स्थायी पर्यटन प्रशासन में अपनी एक अलग ही ध्यान केद्रित कराता हैं। हालाँकि अध्ययन टिकाउ पर्यटन के लिए प्रौद्योगिकी के रचनात्मक कार्यान्वयन पर केंद्रित है। अध्ययन का उद्देश्य सतत पर्यटन विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका और महत्व की पहचान करना है। अध्ययन के नतीजे सरकार एवं सार्वजनिक एंव निजी क्षेत्रों के साथ ही नीति निर्माताओं के लिए प्रौद्योगिकी और टिकाउ पर्यटन प्रशासन के एकीकरण की प्रक्रिया में विभिन्न विकासात्मक संकेतकों की पहचान करने और उन्हें लागू करने में सहायक हैं।

शब्द कुंजी – एकीकरण, प्रौद्योगिकी, सतत पर्यटन, ई–पर्यटन, पर्यटन विकास।

प्रस्तावना – वर्तमान में पर्यटन का विस्तार आज देश एवं धार्मिक पर्यटन ही नहीं बल्कि पूरे विश्व परिदृश्य में अपना ही एक अलग रूप रखता है क्योकि आज पर्यटन केवल पर्यटन न होकर एक उद्रयोग के रूप में विश्व पटल पर अंकित हो रहा है। और वर्तमान में पर्यटन बिना प्रौद्योगिकी के पर्यटन का विकास एवं विस्तार नहीं हो पावेगा । पर्यटन और प्रौद्योगिकी साथ–साथ चलते हैं। यह वह तकनीक है जिसे पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह न केवल आर्थिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि लंबे समय में उद्योग की समृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाती है । सूचना सेवा पर्यटक सुविधा का एक प्रमुख घटक है। अदृश्य होते हुए भी यह पर्यटकों के लिए अमूल्य है। यद्यपि त्वरित पुनर्प्राप्ति सुविधा के साथ अद्यतन जानकारी के अभाव के कारण पर्यटक सुविधा ख़राब हो जाती है। इसलिए, संचार और कंप्यूटर के क्षेत्र में तकनीकी विकास का पर्यटक सूचना नेटवर्क स्थापित करने के लिए उचित उपयोग किया जाना चाहिए। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य सतत् पर्यटन विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका और महत्व की पहचान करना है। इस अध्ययन के नतीजे सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के साथ ही नीति निर्माताओं के लिए प्रौद्योगिकी और टिकाउ पर्यटन प्रशासन के एकीकरण की प्रक्रिया में विभिन्न विकासात्मक संकेतकों की पहचान करने और उन्हें लागू करने में सहायक हैं।

उद्देश्य–इस अध्ययन में सतत् पर्यटन एवं प्रशासन में प्रौद्योगिकी के विभिन्न उद्देश्यों पर चर्चा की गई है। वे बिंदुं निम्नलिखित हैं।

1. सतत् पर्यटन प्रशासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका का अध्ययन करना।
2. सतत् पर्यटन प्रशासन में प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. स्थायी पर्यटन शिकायत में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव देना।

साहित्य की समीक्षा–उपयुर्क्त विषय पर अध्ययन करने के पूर्व संबंधित विषय से साहित्य का पुरनावलोकन करना अति अवाश्यक हो जाता है। अत: मेरे द्वारा संबंधित अध्ययन को पूर्ण करने के लिए विश्व विद्यालयों एवं इंटरनेट का प्रयोग करके सहित्य का अवलोकन किया गया है। एवं संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण के आधार पर पता चलता है कि पर्यटन विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ होने के बावजूद, स्थिरता के साथ हमेशा एक अस्पष्टता जुड़ी रही है, जो इसे एक सटीक परिभाषा देने से रोकती है और इस पर अभी भी शोध की आवश्यकता है जिससे कि यह अस्पष्टता दूर हो सके। इस अध्ययन के संबंध में विभिन्न विद्वानों की पुस्तकों एवं पत्र पत्रिकाओं को पढने का अवसर प्राप्त हुआ और इसमें कुछ प्रमुख अध्ययनों का उल्लेख इस प्रकार है।

हार्डी, ए 2002; लू के अनुसार,शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने तर्क दिया है कि पर्यटन विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ होने के बावजूद, स्थिरता के साथ हमेशा एक अस्पष्टता जुड़ी रही है, जो इसे एक सटीक परिभाषा देने से रोकती है।

सीगिस एट अल के अनुसार, 2009;स्थिरता की अवधारणा की उत्पत्ति पर्यावरणीय चेतना से हुई थी जिसने 1970 के दशक में दुनिया में महत्व प्राप्त किया था। मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन जिसे स्टॉकहोम सम्मेलन 1972 के नाम से भी जाना जाता है, विश्व की पहली सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक थी जिसमें स्थिरता पर चर्चा की गई थी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और विश्व पर्यटन संगठन स्थिरता को 'पर्यटन जो अपने वर्तमान और भविष्य के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों

का पूरा ध्यान रखता है, आगंतुकों, उद्योग, पर्यावरण और मेजबान समुदायों की जरूरतों को संबोधित करता है' के रूप में परिभाषित करता है।

वैश्विक पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), आदि अली, 2010, ऐसे विभिन्न आईसीटी आधारित उपकरण और अनुप्रयोग हैं जिनका उपयोग सूचना प्रबंधन के लिए किया जा सकता है; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), पर्यटन सूचना प्रणाली (टीआईएस), कंप्यूटर सिमुलेशन, पर्यावरण प्रबंधन सूचना प्रणाली (ईएमआईएस), गंतव्य प्रबंधन प्रणाली (डीएमएस), मौसम, जलवायु और महासागर परिवर्तन की सूचना प्रबंधन, आर्थिक प्रभाव विश्लेषण सॉफ्टवेयर आदि।

सतत् पर्यटन की अवधारणा–सतत् पर्यटन की अवधारणा से आशय की जो प्रकिया हमेशा किसी न किसी रूप में चलती रहती है। क्योकि पर्यटन एक गतिविधी है जहॉ पर कोई न कोई किसी न किसी समय पर हमेशा निरंतर लगे रहते है पर्यटन अवकाश, मनोरंजन और मनोरंजन की एक गतिविधि है जहां लोग 24 घंटे से अधिक लेकिन लगातार एक वर्ष से अधिक नहीं बल्कि सामान्य वातावरण के अलावा किसी अन्य स्थान पर जाते हैं। सतत् पर्यटन पर्यटन की एक श्रेणी है जिसमें पर्यटक किसी आकर्षण का अनुभव करते हैं, किसी गंतव्य पर उनकी गतिविधि कम पर्यावरणीय प्रभाव का कारण बनती है और स्थानीय समुदाय के सामाजिक–आर्थिक विकास और विकास का समर्थन करती है। सतत् पर्यटन में बेहतर वृद्धि और विकास के लिए विभिन्न हितधारकों को शामिल करने का लाभ है। दूसरे शब्दों में टिकाऊ पर्यटन पर्यटन उद्योग, अवकाश निर्माताओं और स्थानीय समुदाय की सामाजिक–आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिति के बीच त्रिकोणीय संबंध है। और वर्तमान में यह संबंध आज विश्व में उद्रयोग के रूप में अवतरित हो रहा है। सतत् पर्यटन में के निम्नलिखित उद्देश्य हैं, जो कि निम्नलिखित बिंदुओ में स्पष्ट है जिसके द्वारा सतत् पर्यटन की अवधारणा पूर्ण होती है।

1. स्थानीय संसाधनों का सतत् उपयोग
2. संसाधनों की अधिक खपत को कम करना और बर्बादी को कम करना
3. जैव विविधता का संरक्षण
4. पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी
5. स्थानीय समुदाय के लिए आय सृजन

सतत् पर्यटन में प्रौद्योगिकी:प्रौद्योगिकी में उपकरण, ज्ञान और संस्कृति शामिल हैं जो मानव अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। आज प्रौद्योगिकी पर्यटन उद्योग के सभी क्षेत्रों तक पहुंच गयी है। वर्तमान में प्रौद्योगिकी केवल आज प्रयोग की विधि ही नही बल्कि पूरे विश्वपटल पर महत्वपूर्ण स्थान रखती है क्योकि वर्तमान युग प्रयोग , कौशल एवं विज्ञान का युग कहलाता है आज कोई भी क्षेत्र चाहे वह सरकारी गैरसरकारी एवं निजी क्यों न हो सभी प्रौद्योगिकी पर निर्भर करता है क्योकि प्रौद्योगिकी के द्वारा आज मनुष्य की प्रवृत्ति एवं स्वभाव को पहचान सकते है। और इस प्रयोग द्वारा आज व्यक्ति के हर पहलू की जानकारी को लेकर अपनी पर्यटन के विकास को पर्यटक के लिए तैयार कर सकते है। सतत् पर्यटन ने गंतव्य प्रबंधन, स्थान आधारित सेवाओं, परिवहन और भौगोलिक आधारित प्रणाली, आभासी पर्यटन, प्रदूषण के प्रभाव को मापने और स्थान आधारित सेवाओं आदि के लिए सूचना आधारित संचार उपकरण और प्रौद्योगिकी को अपनाया। सकारात्मक रूप से प्रौद्योगिकी ने स्थायी पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम कर दिया है।

भूमिका और उद्देश्य–सतत् पर्यटन में प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके पर्यटन में प्रौद्योगिकी का मुख्य उद्देश्य कचरे को कम करना, रीसाइक्लिंग प्रक्रिया को बढ़ावा देना, उत्पादन प्रक्रिया में बदलाव, प्रदूषण को नियंत्रित करना और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना है। पर्यटन से जुड़ी विभिन्न आधुनिक प्रौद्योगिकियाँ। उनका लक्ष्य वर्तमान पर्यटन की गुणवत्ता में वृद्धि करना है। सतत् विकास की प्रमुख चिंताओं में स्वच्छ जल तक पहुंच, स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच, स्वच्छ और अप्रदूषित पर्यावरण का समावेश, प्रभावी ढंग से और कुशलता से प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और प्रभावी शासन शामिल है। इन क्षेत्रों को प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है। इस विषय से सबंधित प्रौद्योगिकी के मुख्य बातें निम्न है।

पूर्वानुमान सॉफ़्टवेयर :पूर्वानुमान सॉफ़्टवेयर जलवायु, वायुमंडल और महासागर में परिवर्तन पर नज़र रखता है। इस प्रकार सॉफ्टवेयर परिवर्तन कारकों की भविष्यवाणी करने में मदद करता है ताकि किसी गंतव्य को उपयोगी एवं सफल बनाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जा सके। पहचान, विश्लेषण और तत्काल कार्रवाई किसी गंतव्य में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

आभासी पर्यटन:एक आभासी पर्यटन का उभरता स्वरूप उचित रूप से व्यवस्थित वीडियो और छवियों के अनुक्रम के साथ किसी आकर्षण, स्थान या पर्यटक स्थल की एक कृत्रिम प्रस्तुति या अनुकरण है। वर्चुअलटूर से किसी गंतव्य पर पर्यटकों की आवाजाही कम हो सकती है जिसके परिणामस्वरूप सतत् विकास होगा। सुगम्य पर्यटन आभासी पर्यटन को बढ़ावा दे सकता है।

आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रभाव:प्रौद्योगिकी में नवाचार का पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। यात्रा के घंटे काफी कम हो गए हैं. जाहिर तौर पर टिकाऊ पर्यटन पर प्रौद्योगिकी का अधिक प्रभाव देखा गया। दुनिया में कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन को लेकर चिंता बढ़ रही है। आवेदनों की संख्या पर्यटकों को सर्वोत्तम गंतव्य चुनने में सहायता करती है। एप्लिकेशन (ऐप) पर्यटकों को नियमों और विनियमों, आवास और परिवहन सुविधाओं, जलवायु परिस्थितियों, उपलब्धता और गंतव्य की प्रकृति और विशेषताओं के बारे में मार्गदर्शन करते हैं। आधुनिक यात्री इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि उनकी यात्रा से स्थानीय समुदाय को क्या लाभ होगा। इस प्रकार आधुनिक प्रौद्योगिकी का एक कार्यात्मक उद्देश्य दुनिया को अधिक टिकाऊ बनाना है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस:वर्तमान युग आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग है और इस तकनीकी के द्वारा हम एक सेकेंड में जानकारी को एकत्रित्र करके उसे अपने आधार को तैयार करके उसका उपयोग कर सकते है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर्यटन उत्पादों और सेवाओं के विपणन के लिए एक सॉफ्टवेयर सक्षम तकनीक है। एआई पर्यटन उद्योग को पर्यटन पर्यटकों और आगंतुकों की जरूरतों और आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाता है। डेटा का संचय और एकीकरण, वास्तविक प्रयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बुद्धिमत्ता के प्रमुख उद्देश्य हैं। आज होटल, रिसॉर्ट और पर्यटक आकर्षण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बुद्धिमत्ता के माध्यम से अपने ग्राहकों और ग्राहकों को आसानी से निर्देशित कर सकते हैं।

पर्यटन सूचना प्रणाली:वर्तमान में सूचना प्रणाली भी सतत् पर्यटन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखती है जिसके द्वारा हम किसी भी पर्यटक के विषय में उसकी पूर्ण जानकारी को पर्यटन के पूर्व एकत्रित कर सकते है और उस आधार पर पर्यटक को उससे जुडी पर्यटन की सभी जानकारी एवं विस्तृत

जानकारी दे सकते है। पर्यटन सूचना प्रणाली एक कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जिसमें पर्यटक किसी आकर्षण के बारे में जानकारी एकत्र करते हैं। पर्यटन सूचना प्रणाली किसी गंतव्य में आकर्षण, आवास, परिवहन और सुविधाओं के विशाल क्षेत्र को कवर करती है। इससे यात्री को गंतव्य चुनने में मदद मिलेगी।

स्थान आधारित सेवाएँ:स्थान आधारित सेंवाओं के द्धारा हम पर्यटन के संबंध में पूर्ण जानकारी जैसे रूकने स्थानीय संस्कृति आस पास के मुख्य स्थान एवं विशेष एवं व्यक्ति विशेष से संबंधित आदि जानकारी पूर्ण रूप से प्राप्त कर सकते है। स्थान आधारित सेवाएँ वास्तविक समय वैश्विक पोजिशनिंग सिस्टम के आधार पर ग्राहक को लक्षित करती हैं। आस-पास के होटल और रेस्तरां, आस-पास के ईंधन स्टेशन, यातायात जानकारी, आस-पास के दर्शनीय स्थल स्थान आधारित सेवाओं के उदाहरण हैं। स्थान आधारित सेवा एक यात्री को लोगों, संस्कृति और मौजूदा स्थितियों के बारे में जानने के लिए शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई है ताकि यात्री तुरंत निर्णय ले सके।

गंतव्य प्रबंधन प्रणाली:गंतव्य प्रबंधन प्रणाली किसी पर्यटन स्थल के बारे में पूरी जानकारी देती है। गंतव्य, यात्रा पूर्व सूचना और आगमन पर सूचना तय करने में गंतव्य प्रबंधन प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डीएमएस प्रभावी आंतरिक और बाहरी नेटवर्क बनाने में मदद करता है जो किसी गंतव्य की अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव डालने में मदद करता है।

ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम:ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम एक उपग्रह आधारित नेविगेशन प्रणाली है जो उपयोगकर्ताओं को अपने गंतव्य को ट्रैक करने, मौसम रिपोर्ट तक पहुंच और गंतव्य के बारे में अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। आज जीपीएस यात्रा उद्योग का एकीकृत हिस्सा बन गया है। अधिकांश पर्यटक अपनी यात्रा संबंधी निर्णय लेने के लिए जीपीएस पर निर्भर रहते हैं। किसी गंतव्य के वातावरण पर यात्रा के प्रभाव को कम करने में जीपीएस की बड़ी भूमिका है।

इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम:इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर्यटकों को किसी गंतव्य तक जमीनी परिवहन सुविधाओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने में सहायता करता है। पर्यटक परिवहन सुविधाओं के संबंध में निर्णय ले सकते हैं। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम मोबाइल आधारित एप्लिकेशन की अनुशंसा करता है जो लोगों को सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं चुनने के लिए प्रेरित करता है।

भौगोलिक सूचना प्रणाली:भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग आमतौर पर इंटरनेट या मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बड़ी मात्रा में तारीखों को पकड़ने, संग्रहीत करने, प्रबंधित करने, हेरफेर करने और प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। यात्री अपनी छुट्टियाँ बिताने के दौरान इस डेटा तक पहुँच सकते हैं। जीआईएस किसी गंतव्य पर जानकारी एकत्र करने के बोझ को कम करता है, भीड़भाड़ से बचाता है और यात्रा को अधिक परिप्रेक्ष्यपूर्ण बनाता है।

भविष्य का दृष्टिकोण-प्रौद्योगिकी ने पर्यटक आकर्षणों के बेहतर प्रबंधन में मदद की। पर्यटक आकर्षणों के विपणन और नवीन विकास में प्रौद्योगिकी की आशाजनक भूमिका है। भविष्य के गंतव्यों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और हितधारकों के एकीकरण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में प्रौद्योगिकी गंतव्य विकास में प्रमुख भूमिका निभाएगी। एक एकीकृत विकासात्मक दृष्टिकोण के लिए पर्यटकों, गंतव्य और स्थानीय सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर संचार की आवश्यकता है। विकास की प्रक्रिया में स्थानीय समुदाय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भविष्य की प्रौद्योगिकी को बेहतर विकास के लिए इन सभी हितधारकों को एकीकृत करने का लक्ष्य रखना होगा। प्रौद्योगिकी स्थानीय समुदाय को यात्रियों के मनोविज्ञान और उनके क्षेत्र में पर्यटन गतिविधि के परिणामों को समझने में भी मदद करेगी। प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण निर्णय लेने, नए व्यापार उद्यमों, कार्बन उत्सर्जन की निगरानी और गंतव्य स्वच्छता में गंतव्य हितधारकों का समर्थन करेगी।

शोध पद्धति: प्रस्तुत शोध पत्र मूलत: द्धितीयक संमको पर आधारित है, जिसमें द्धितीयक संमक जिसमें कि पर्यटन विभाग के रिर्पोट एवं शोध पत्र एवं पुस्तकें एवं समाचार पत्र से जानकारी एकत्र करके उसकी विवेचना एवं परिणाम प्रस्तुत किये गये है।

निष्कर्ष: सैद्धांतिक अध्ययन उपयोगी पर्यटन प्रशासन में प्रौद्योगिकी के नवीन दृष्टिकोण का विश्लेषण करता है। आज पर्यटन उद्योग तकनीकी रूप से अत्यधिक विकसित है, हालाँकि उद्योग को समय पर विकास और उन्नति की आवश्यकता है। पर्यटन उद्योग के व्यवसाय केंद्रित दृष्टिकोण को बेहतर प्रशासन के लिए व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और सतत् विकास को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। भविष्य के अध्ययनों में बेहतर कल के लिए व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और स्थानीय समुदाय को एकीकृत करने की अधिक गुंजाइश है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

जर्नल और पीएचडी थीसिस:

1. सुब्रमण्यन, मलाथी:'महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जिले में पर्यटन क्षेत्र की विकास क्षमता और इसके रोजगार पैटर्न का एक अध्ययन' अप्रकाशित शोध थीसिस एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, चर्च गेट, मुंबई, 2010 को प्रस्तुत किया गया।
2. गदाद, अनुपमा: 'कर्नाटक में पर्यटन उद्योग की संभावनाएं, उत्तार कन्नड़ जिले का एक केस स्टडी', अप्रकाशित शोध थीसिस कर्नाटक राज्य महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर, 2015 को प्रस्तुत की गई।
3. सावरकर, क्रांति पी: 'विदर्भ क्षेत्र महाराष्ट्र में पर्यटन विकास की संभावना', अप्रकाशित शोध थीसिस बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी को प्रस्तुत की गई।

पुस्तक:

1. भाटिया, ए.के. : 'पर्यटन विकास - सिद्धांत और व्यवहार' स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007

वेबसाइटें:

1. https://sustainabledevelopment.un.org/
2. http://www.un-documents.net/our-common-future.pdf

****